

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 12

801(AC)

2

अनुक्रमांक

नाम :.....

901

801(AC)

2022

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ] [ पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए : 1
- i) 'हिन्दी प्रदीप' पत्रिका के सम्पादक मुंशी प्रेमचन्द थे ।
- ii) 'तितली' कहानी विधा की रचना है ।
- iii) महावीर प्रसाद द्विवेदी 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक थे ।
- iv) 'ममता' उपन्यास विधा की रचना है ।

ख) 'त्यागपत्र' के लेखक का नाम है

i) जेनेन्द्र कुमार

ii) मुंशी प्रेमचन्द

iii) जयशंकर प्रसाद

iv) अमृतलाल नागर ।

ग) निम्नलिखित रचनाओं में से किसी एक रचना के लेखक का नाम लिखिए :

i) वाणभट्ट की आत्मकथा

ii) सेवा सदन

iii) नदी के द्वीप

iv) गुनाहों का देवता ।

घ) किसी एक रेखाचित्र विधा के लेखक का नाम लिखिए । 1

ङ) किसी एक एकांकी लेखक का नाम लिखिए । 1

2. क) निगुण भक्ति धारा के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए । 2

ख) प्रगातिवाद के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए । 2

76830

●●F

[ Turn over

76830

●●F

ग) निम्नलिखित रचनाओं में से किसी एक कृति के रचनाकार का नाम लिखिए : 1

- i) साकेत
- ii) कामायनी
- iii) चिदम्बरा
- iv) नीरजा ।

3. निर्माकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2

क) यह एक नैतिक और आध्यात्मिक स्रोत है, जो अनन्त काल से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सम्पूर्ण देश में बहता रहा है और कभी-कभी मूर्त रूप होकर हमारे सामने आता रहा है । यह हमारा सौभाग्य रहा है कि हमने ऐसे ही एक मूर्त रूप को अपने बीच चलते-फिरते, हँसते-रोते भी देखा है और जिसने अमरत्व की याद दिलाकर हमारी सूखी हड्डियों में नयी मज्जा डाल हमारे मृतप्राय शरीर में नये प्राण फूँके और पुरझाये हुए दिलों को फिर खिला दिया । वह अमरत्व सत्य और अहिंसा का है जो केवल इसी देश के लिए नहीं, आज मानव मात्र के लिए आवश्यक हो गया है । हम इस देश में प्रजातंत्र को स्थापना

कर चुके हैं, जिसका अर्थ है व्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता, जिसमें वह अपना पूरा विकास कर सके और साथ ही सामूहिक और सामाजिक एकता भी ।

- i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- ii) रेखांकित अंश को व्याख्या कीजिए ।
- iii) 'प्रजातंत्र' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

ख) कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है । यह केवल नीति और सद्वृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है । जिसी युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन-दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जायेगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देनेवाली बाहु के समान होगी जो उसे निरन्तर उन्नति की ओर उठाती जायेगी ।

- i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- iii) कुसंग का मनुष्य के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए तथा काव्य-सौंदर्य भी स्पष्ट कीजिये : 1 + 4 + 1

क) घरन-कमल बन्दौ हरिराड ।

जाकी कृपा पंगु गिरि लंगै, अंधे को सब कुछ  
दरसाइ ।

बहिरो सुने, गुंग पुनि बोलै, रंक चलै सिर छत्र  
धराइ ।

सूरदास स्वामी करुनामय, बार-बार बन्दौ तिहि  
पाइ ॥

ख) तुम तो, हे प्रिय बन्धु, स्वर्ग सी,

सुखद, सकल विधवों की आकर ।

धरा-शिरोमणि मातृ-भूमि में

धन्य हुए हो जीवन पाकर ॥

तुम जिसका जल, अन्न ग्रहण कर,

बड़े हुए लेकर जिसकी रज ।

तन रहते कैसे तज दोगे,

उसको, हे वीरों के वंशज ॥

5. क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए 2 + 1

i) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1

i) तुलसीदास

ii) सुमित्रानन्दन पंत

iii) रामनरेश त्रिपाठी ।

6. निम्नलिखित संस्कृत-गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3

एकदा बहवः जनाः धूम्रयानम् आरुह्य नगरं प्रति गच्छन्ति स्म । तेषु केचित् ग्रामीणाः केचिच्च नागरिकाः आसन् । मीनं स्थितेषु तेषु एकः नागरिकः ग्रामीणान् उपहरन् अकथयत् "ग्रामीणाः अद्यापि पूर्ववत् अशिक्षिताः अज्ञाश्च सन्ति । न तेषां विकासः अभवत् न च भाषितुं शक्नोति" । तस्य तादृशं जल्पनं श्रुत्वा कोऽपि धनुरः ग्रामीणः अब्रवीत्, "भद्र नागरिकः भवान् एव किञ्चित् ब्रूयात्, यतो हि भवान् शिक्षितः बहुजः च अस्ति ।"

अथवा

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत् ॥

7. क) अपनी पाठ्यपुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो ।

2

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए :

1 + 1

i) भारतीय संस्कृतेः मूलं किम् अस्ति ?

ii) पुरुराजः कः आसीत् ?

iii) चन्द्रशेखरः कः आसीत् ?

iv) वीरः केन पूज्यते ?

8. क) 'हास्य' रस अथवा 'करुण' रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।

2

ख) 'उपमा' अलंकार अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार की परिभाषा एवं उसका उदाहरण लिखिए ।

2

ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'रोला' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण दीजिए ।

2

9. क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए :

1 + 1 + 1

i) सह

ii) सु

iii) अधि

iv) अप

v) परि ।

ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए :

1 + 1

i) त्व

ii) ता

iii) पन

iv) हट ।

ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में समास-विग्रह करके समास नाम लिखिए :

1 + 1

i) त्रिवेणी

ii) दिन-रात

iii) तिरंगा

iv) माता-पिता ।

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के तत्सम रूप लिखिए : 1 + 1

- i) आज
- ii) गाँव
- iii) पानी
- iv) दूध ।

ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1 + 1

- i) इन्द्र
- ii) बन्दर
- iii) गंगा
- iv) विजली ।

10. क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि-विच्छेद कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : 1 + 1

- i) इत्यादि
- ii) स्वागतम्
- iii) मन्वन्तर
- iv) मात्राज्ञा ।

ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का सन्धि-विच्छेद कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : 2

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं एक के चतुःस्यार, पञ्चस्यार और सप्तस्यार कीजिए : 2

- i) अक्षय
- ii) अक्षय
- iii) अक्षय
- iv) अक्षय
- v) अक्षय ।

ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का सन्धि-विच्छेद कीजिए : 1 + 1

- i) गाँव के समीप विद्यालय है ।
- ii) दो लड़के पढ़ रहे हैं ।
- iii) लड़के दूध पीना चाहते हैं ।
- iv) सन्धि-विच्छेद का शब्द है ।
- v) लड़के लड़कियों में खेल रहे हैं ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं एक वाक्य पर सन्धि-विच्छेद कीजिए : 6

- i) मैंने बहुत पसन्द किया ।
- ii) सुन्दर
- iii) पर्यायवाची शब्दों के उदाहरण
- iv) आतंकवाद को समझना
- v) नारी शिक्षा का प्रभाव ।

12. अपने प्रति कविकाव्य के अर्थ में निम्नलिखित कथनों में से किसी एक का उत्तर दीजिए । 3

क) i) 'मूर्क दुर्ग' कविकाव्य के अर्थ में लक्ष्मी देवी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'मूर्क दुर्ग' कविकाव्य के अर्थ में लक्ष्मी देवी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ख) i) 'मूर्क दुर्ग' कविकाव्य के अर्थ में लक्ष्मी देवी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'मूर्क दुर्ग' कविकाव्य के अर्थ में लक्ष्मी देवी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ग) i) 'मूर्क दुर्ग' कविकाव्य के अर्थ में लक्ष्मी देवी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'मूर्क दुर्ग' कविकाव्य के अर्थ में लक्ष्मी देवी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

घ) i) 'मूर्क दुर्ग' कविकाव्य के अर्थ में लक्ष्मी देवी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'मूर्क दुर्ग' कविकाव्य के अर्थ में लक्ष्मी देवी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ङ) i) 'मूर्क दुर्ग' कविकाव्य के अर्थ में लक्ष्मी देवी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'मूर्क दुर्ग' कविकाव्य के अर्थ में लक्ष्मी देवी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

घ) i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के 'संकल्प' सर्ग का सारांश लिखिए ।

ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर बन्देशेखर 'आजाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

छ) i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के द्रुत-सभा में 'द्रौपदी' सर्ग का सारांश लिखिए ।

ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ज) i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कैकेयी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के 'आगमन' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

झ) i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के 'राम-मिलाप और सौमित्र का उपचार' सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

801(AC) - 4,40,000

76830